No. of Printed Pages : 6

BPY-006

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

00185

Term-End Examination

June, 2014

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-006 : METAPHYSICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note :

(i) Answer all five questions.

(ii) All questions carry equal marks.

(iii) Answers to questions no. 1 and 2 should be in about 400 words each.

---

1. Provide the etymology and definition of metaphysics. In what way is metaphysics the first philosophy ? *20*

OR

What is traditional metaphysics ? How is Heideggerian metaphysics different from traditional metaphysics ? *20*

2. What is the distinction between good and evil ? If humans by nature are good, then why do they often perform evil deeds ? *20*

OR

Does freedom exist ? What is the problem of free will ? *20*

3. Answer any ***two*** of the following in about 200 words each :

(a) Discuss the notion of substance in relation to form and matter. *10*

(b) Explain the distinction between act and potency. *10*

(c) What is the role of justification in the acquisition of knowledge ? *10*

(d) Aristotle claimed that metaphysics was the study of being qua being. Do you agree ? *10*

4. Answer any ***four*** of the following in about 150 words each :

(a) Explain synthesis as a method used in metaphysics. *5*

(b) Discuss the distinction between logical truth and ontological truth. *5*

(c) Write a short note on Tagore's metaphysics. *5*

(d) What are the intrinsic causes ? *5*

(e) Explain maya. *5*

(f) Elucidate being as true. *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Pre-Socratic metaphysics *4*

(b) Change *4*

(c) Privation *4*

(d) Intuition *4*

(e) Epoché *4*

(f) Material cause *4*

(g) Positive freedom *4*

(h) Entity *4*

बी.पी.वाई.-006

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2014

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र
बी.पी.वाई.-006 : तत्त्वमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट :

(i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(iii) प्रश्न सं. 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए ।

1. तत्त्वमीमांसा की व्युत्पत्ति और परिभाषा प्रस्तुत कीजिए । तत्त्वमीमांसा कैसे प्रथम दर्शन है ? बताइए । *20*

अथवा

परम्परागत तत्त्वमीमांसा क्या है ? हाइडेगर की तत्त्वमीमांसा परम्परागत तत्त्वमीमांसा से किस प्रकार भिन्न है ? *20*

2. शुभ और अशुभ के मध्य क्या अन्तर है ? यदि मानव स्वभाव से अच्छे हैं, तब वे प्रायः अशुभ क्रियाएँ क्यों करते हैं ? 20

अथवा

क्या स्वतन्त्रता का अस्तित्व है ? स्वतन्त्र इच्छा की समस्या क्या है ? 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :

(क) द्रव्य की अवधारणा की फॉर्म एवं मैटर के प्रसंग में विवेचना कीजिए । 10

(ख) क्रिया और सामर्थ्यता (act and potency) के मध्य अन्तर की व्याख्या कीजिए । 10

(ग) ज्ञान प्राप्ति में प्रमाणिकता की क्या भूमिका है ? 10

(घ) अरस्तू के अनुसार तत्त्वमीमांसा सत् का सत् के रूप में (being qua being) अध्ययन है । क्या आप इससे सहमत हैं ? 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(क) तत्त्वमीमांसा में प्रयुक्त एक पद्धति के रूप में संश्लेषण की व्याख्या कीजिए । 5

(ख) तार्किक सत्य और सत्तामूलक सत्य के मध्य अन्तर का विवरण दीजिए । 5

(ग) टैगोर की तत्त्वमीमांसा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । 5

(घ) आन्तरिक कारण क्या हैं ? 5

(ङ) माया की व्याख्या कीजिए । 5

(च) सत्यरूपी सत् (being as true) का वर्णन कीजिए । 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) पूर्व-सुकरातीय तत्त्वमीमांसा *4*

(ख) परिवर्तन *4*

(ग) वैकल्यात्मकता (privation) *4*

(घ) अन्तःप्रज्ञा (intuition) *4*

(ङ) असम्बन्धन (epoché) *4*

(च) उपादान कारण *4*

(छ) सकारात्मक स्वतन्त्रता *4*

(ज) सत्ता (entity) *4*